



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(A Central University Established by Parliament by Act No. 3 of 1997)



एमएसडब्ल्यू मार्गदर्शक पुस्तिका

(MSW Information Booklet)

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

पोस्ट – हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा – 442001 (महाराष्ट्र)

1) कार्यक्रम ध्येय और उद्देश्य(Programme's mission & objectives) :

एमएसडब्ल्यू पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को सामाजिक परिवर्तन हेतु शिक्षित करके सामाजिक कार्य के पेशे को बढ़ावा देता है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को सक्षम पेशेवर के रूप में इस तरह तैयार करता है जिससे वे सामाजिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए प्रभावी सेवा प्रदान करने, अंतर्विषयक ज्ञान, सिद्धांत और व्यवहार तथा सामाजिक कार्य के मूल्यों को एकीकृत करने में सक्षम हो सकें। यह पाठ्यक्रम सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने हेतु आवश्यक ज्ञान प्रदान करने के साथ विद्यार्थियों को सिद्धांत एवं व्यवहार में उत्कृष्टता हेतु भी प्रेरित करता है। इस पाठ्यक्रम का ध्येय विविधता का स्वीकार एवं न्यायपूर्ण समाज की प्राप्ति के लिए सामाजिक बदलाव को प्रोत्साहित करना है। यह पाठ्यक्रम शिक्षा से वंचित विद्यार्थियों और सेवारत विद्यार्थियों को समाज कार्य शिक्षा का अवसर प्रदान करता है। इस पाठ्यक्रम के जरिए विद्यार्थी को निम्नलिखित क्षेत्र में सक्षम बनाना है –

- भारतीय समाज एवं समाज कार्य की सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक जानकारी प्रदान करना।
- विविधतापूर्ण समाज में पेशेवर समाज कार्य के लिए सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करना।
- अपने पेशेवर समाज कार्य के लिए समाज कार्य ज्ञान, कौशल, मूल्यों और नैतिकताओं के प्रयोग हेतु सक्षम बनाना।
- विद्यार्थी में आलोचनात्मक विवेक विकसित करना।
- समाज कार्य और अन्य अनुशासनों के अन्तर्विषयक ज्ञान को बढ़ाना।
- सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु विद्यमान दृष्टिकोणों की पहचान एवं नवीन दृष्टिकोणों की तलाश करने में सक्षम बनाना।
- समाज कार्य के नए क्षेत्रों की पहचान करना।

2) प्रस्तावित कार्यक्रम के संभावित शिक्षार्थी समूह की प्रकृति(Nature of prospective target group of learners):

इस कार्यक्रम के अंतर्गत निम्नलिखित संभावित शिक्षार्थी समूहों को रेखांकित किया गया है-

- स्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थी
- स्वयंसेवी संगठनों में कार्यरत अधिकारी/कर्मचारी
- गैर-सरकारी संगठनों में कार्यरत अधिकारी/कर्मचारी
- समाज कार्य की इच्छा रखने वाले और कार्य करने वाले स्नातक उत्तीर्ण स्त्री/पुरुष

3) दूर शिक्षा माध्यम से विशिष्ट कौशल एवं दक्षता प्राप्त करने में प्रस्तावित पाठ्यक्रम की उपयुक्तता (Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence) :

यह पाठ्यक्रम अपने आप में एक पेशेवर पाठ्यक्रम है अतएव विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के उपरान्त निम्नलिखित दक्षता प्राप्त कर सकेंगे –

- भारतीय समाज के बारे में सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- समाज कार्य की प्राथमिक विधियों -वैयक्तिक कार्य, समूह कार्य एवं सामुदायिक विकास - का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रयोग करने में सक्षम होंगे।
- समाज कार्य की द्वितीयक विधियों –समाज कार्य अनुसंधान, सामाजिक क्रिया एवं समाज कल्याण प्रशासन - का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रयोग करने में सक्षम होंगे।
- समाज कार्य के नवीन क्षेत्रों की पहचान कर सकेंगे।
- सामाजिक समस्याओं को इंगित करना, अनुसंधान कर उन्हें दूर करने के तरीकों में सक्षम हो सकेंगे।
- प्रभावी सामाजिक कार्य कौशलों में दक्ष हो सकेंगे।
- सरकारी नीतियों का परिचय, क्रियान्वयन एवं समीक्षा में सक्षम हो सकेंगे।
- परियोजना प्रस्ताव बना सकेंगे।
- अनुसंधान प्रस्ताव बना सकेंगे।

4) निर्देशात्मक प्रारूप (Instructional Design) :

दूर शिक्षा प्रणाली में विद्यार्थी के अध्ययन की व्यवस्था परम्परागत विश्वविद्यालयों से भिन्न होती है। यह पद्धति विद्यार्थी केन्द्रित होती है और इसकी सफलता विद्यार्थी के सक्रिय सहयोग और स्वाध्याय से संभव हो पाती है। इसमें संस्थान द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। पाठ्यक्रम से संबंधित निर्देश विद्यार्थी तक पहुँचाने हेतु विश्वविद्यालय बहुआयामी पद्धति अपनाता है-

- स्व-निर्देशित ऑनलाइन पाठ्यसामग्री - विद्यार्थियों को विषय से संबंधित ऑनलाइन पाठ्यसामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। पीडीएफ फाइल प्रारूप में यह सामग्री निदेशालय की वेबसाइट पर अपलोड की गई है। इस पाठ्यसामग्री को विद्यार्थी अपने कम्प्यूटर या मोबाइल पर निशुल्क डाउनलोड कर अध्ययन कर सकते हैं।
- ऑनलाइन विडियो सामग्री – ऑनलाइन पाठ्यसामग्री की सहायता के लिए निदेशालय पाठ्यचर्या के लिए ऑनलाइन विडियो की वेबसाइट पर अपलोड कर रहा है। इसे भी विद्यार्थी अपने कम्प्यूटर या मोबाइल पर निशुल्क डाउनलोड कर अध्ययन कर सकते हैं।

- अकादमिक परामर्शदाताओं द्वारा अध्ययन केंद्र में सीधे परामर्श – विद्यार्थी जिस अध्ययन केंद्र में पंजीकृत हैं उन अध्ययन केंद्रों पर अपने अकादमिक परामर्शदाताओं से सम्पर्क कर सकते हैं। अकादमिक परामर्शदाता उन्हें सत्रीय कार्य, परियोजना कार्य, क्षेत्रकार्य आदि से संबंधित जानकारी प्रदान करते हैं।
- परामर्श सत्र – अध्ययन केंद्रों द्वारा विद्यार्थियों की सुविधा के लिए परामर्श सत्रों का आयोजन किया जाता है। इन परामर्श सत्रों का उद्देश्य विद्यार्थियों को पाठ्यसामग्री अध्ययन के पश्चात यदि कोई शीर्षक या अवधारणा समझ में नहीं आती है तो वह उस समस्या का समाधान परामर्शदाता से परामर्श सत्र में प्राप्त करता है।
- अध्ययन केंद्रों पर पुस्तकालय की सुविधा – अध्ययन केंद्रों पर संबंधित पाठ्यक्रम से संबंधित पुस्तकें पुस्तकालय में उपलब्ध होती हैं। विद्यार्थी अध्ययन केंद्रों पर जाकर इस पुस्तकों की सहायता से विषय की समझ बढ़ा सकता है।

5) प्रवेश, पाठ्यचर्या कार्य सम्पादन एवं मूल्यांकन पद्धति (Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation):

इस पाठ्यक्रम में प्रवेश यूजीसी/दूर शिक्षा ब्यूरो द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार होगा और न्यूनतम अर्हता स्नातक रखी जाएगी। इस पाठ्यक्रम हेतु प्रस्तावित शुल्क निर्धारण प्रथम वर्ष हेतु 11000/- तथा द्वितीय वर्ष हेतु 10750/- रखा गया है (इसमें विश्वविद्यालय द्वारा परिवर्तन किया जा सकता है)। निदेशालय के अंतर्गत विभिन्न वर्गों के लिए छूट/शुल्क में कटौती और छात्रवृत्ति का भी प्रावधान है जिसका उल्लेख हर वर्ष विवरणिका में किया जाता है। पाठ्यचर्या कार्य सम्पादन के अंतर्गत वेबसाइट पर पूरी पाठ्यचर्या एवं पाठ्यसामग्री अपलोड की गई है और क्रेडिट विवरण की जानकारी भी उपलब्ध कराई गई है। कुल पूर्णांक में से सत्रांतवार्षिक परीक्षा के लिए 70% तथा सत्रीय कार्य हेतु 30 % अधिभार निर्धारित है। परियोजना कार्य एवं क्षेत्र कार्य जर्नल 200 अंकों का होता है।

6) परामर्श सत्र (Counselling Sessions):

निदेशालय में विद्यार्थियों के लिए पुस्तकालय उपलब्ध है। इस पाठ्यक्रम में क्षेत्रकार्य एवं परियोजना कार्य अनिवार्य है अतएव इन दोनों के लिए परामर्श सत्र आयोजित किए जाते हैं। इसके अतिरिक्त समस्त प्रश्नपत्रों से संबंधित कठिनाईयों को दूर करने के लिए भी परामर्शसत्र का आयोजन किया जाता है। विद्यार्थी द्वारा जब अध्ययन सामग्री को पढ़ता है तो उसे कुछ बिंदुओं को लेकर अस्पष्टता हो सकती है। परामर्श सत्र के जरिए उन्हें यह अवसर दिया जाता है कि वे अपनी समस्याओं को परामर्शदाता के साथ साझा करें और उस बिंदु को स्पष्ट रूप से समझें। परामर्श सत्र का उद्देश्य पाठ्यसामग्री के अध्ययन में आने वाली समस्याओं को दूर करना है। एमएसडब्ल्यू परामर्श सत्रों का संचालन संबंधित अध्ययन केंद्रों पर किया जाता है।

निदेशालय द्वारा संचालित किए जाने वाले एम.एस.डब्ल्यू पाठ्यक्रम के अंतर्गत पाठ्यचर्या विवरण इस प्रकार है –

एम.एस.डब्ल्यू (MSW)

चार सेमेस्टर (कुल-80 क्रेडिट)

प्रथम सेमेस्टर

MSW 01	समाज कार्य का उद्भव और विकास	4 क्रेडिट
MSW 02	सामाजिक विज्ञान अवधारणाएं	4 क्रेडिट
MSW 03	समाज कार्य के क्षेत्र	4 क्रेडिट
MSW 04	व्यक्तित्व एवं मानव व्यवहार की गतिकी	4 क्रेडिट
MSW 05	भारतीय सामाजिक समस्याएं	4 क्रेडिट
	कुल क्रेडिट	20 क्रेडिट

द्वितीय सेमेस्टर

MSW 06	सामाजिक वैयक्तिक सेवाकार्य	4 क्रेडिट
MSW 07	सामाजिक समूह कार्य	4 क्रेडिट
MSW 08	सामुदायिक संगठन एवं सामाजिक क्रिया	4 क्रेडिट
MSW 09	समाज कार्य एवं सामाजिक विकास	4 क्रेडिट
MSW 10	सामाजिक कल्याण प्रशासन, नीति और नियोजन	4 क्रेडिट
	कुल क्रेडिट	20 क्रेडिट

तृतीय सेमेस्टर

MSW 11	समाज कार्य प्रबंधन	4 क्रेडिट
MSW 12	समाज कार्य अनुसंधान	4 क्रेडिट
MSW 13	सामुदायिक स्वास्थ्य	4 क्रेडिट
MSWFW01	क्षेत्र कार्य*	8 क्रेडिट
	कुल क्रेडिट	20 क्रेडिट

चतुर्थ सेमेस्टर

MSW 14	गांधीय समाज कार्य	4 क्रेडिट
MSW 15	परामर्श एवं सम्प्रेषण : समाज कार्य परिप्रेक्ष्य	4 क्रेडिट
MSW 16	संविधान और मानवाधिकार	4 क्रेडिट
MSWP01	परियोजना कार्य*	8 क्रेडिट
	कुल क्रेडिट	20 क्रेडिट

* क्षेत्र कार्य एवं परियोजना कार्य संबंधी मार्गनिर्देशन पुस्तिका अलग से पाठ्यसामग्री के साथ वेबसाइट पर उपलब्ध है।

समस्त पाठ्यसामग्री निम्नलिखित लिंक पर निःशुल्क उपलब्ध है-

<http://hindivishwa.org/distance/contentdtl.aspx?category=3&cgid=71&csgid=0#>

खण्ड - 1 – समाज कार्य अनुशासन के रूप में

इकाई - 1 अनुशासन का उदय

इकाई - 2 अनुशासन एवं अंतरानुशासनिकता

इकाई - 3 अनुशासन के रूप में समाज कार्य का उदय

खण्ड - 2 - समाज कार्य का इतिहास: वैश्विक परिदृश्य

इकाई - 1 यूरोप में समाज कार्य का इतिहास

इकाई - 2 अमेरिका में समाज कार्य का इतिहास

इकाई - 3 एशिया में समाज कार्य का इतिहास

इकाई - 4 अफ्रीका व मध्य-पूर्व में समाज कार्य का इतिहास

खण्ड - 3 - समाज कार्य व्यवसाय एवं शिक्षा

इकाई - 1 समाज कार्य एक व्यवसाय के रूप में

इकाई - 2 समाज कार्य शिक्षा: सिंहावलोकन एवं संभावनाएं

इकाई - 3 दूरवर्ती शिक्षा के माध्यम से समाज कार्य शिक्षा

इकाई - 4 व्यावसायिक समाज कार्य के मूल्य, सिद्धान्त और नैतिकताएं

खण्ड - 4 - भारत में समाज कार्य का उद्गम और विकास

इकाई - 1 भारत में समाज कार्य का ऐतिहासिक विकास

इकाई - 2 विभिन्न धर्म और समाज कार्य

इकाई - 3 राज्य और समाज कार्य

इकाई - 4 गांधी विचार एवं समाज कार्य

इकाई - 5 समसामयिक प्रवृत्तियां

खण्ड - 1 - समाज की मूलभूत संकल्पनाएं

- इकाई - 1 भारतीय समाज: संरचना, वर्गीकरण और स्तरीकरण
- इकाई - 2 सामाजिक समूह, सामाजिक संस्थाएं और सामाजिक नियंत्रण
- इकाई - 3 समुदाय की संकल्पना - शहरी, ग्रामीण एवं आदिवासी
- इकाई - 4 सामाजिक बदलाव - अर्थ, विशेषताएं और कारक

खण्ड - 2 – सामाजिक समस्याएं एवं आंदोलन

- इकाई - 1 भारत में सामाजिक समस्याएं एवं उनका प्रभाव
- इकाई - 2 भारत में सामाजिक आंदोलन (स्वतंत्रता पूर्व)
- इकाई - 3 भारत में सामाजिक आंदोलन (स्वतंत्रता पश्चात)
- इकाई - 4 नव सामाजिक आंदोलन एवं विमर्श

खण्ड - 3 - पारिवारिक संरचना

- इकाई - 1 परिवार एवं विवाह की अवधारणा
- इकाई - 2 परिवार एवं विवाह के बदलते प्रतिमान
- इकाई - 3 पितृसत्ता एवं जेंडर विमर्श
- इकाई - 4 पारिवारिक व्यवस्था में समकालीन समस्याएं

खण्ड - 4 - समकालीन संकल्पनाएं

- इकाई - 1 राजनीतिक विचारों का विकास : राष्ट्र-राज्य का उदय एवं राष्ट्रवाद
- इकाई - 2 राजनीतिक विचारों का विकास : नवउपनिवेशवाद एवं लोकतंत्र विमर्श
- इकाई - 3 सामाजिक विचारों का विकास : मैक्स वेबर, दुर्खीम, टॉल्कट पार्सन एवं पियरे बोर्दियू
- इकाई - 4 सामाजिक विचारों का विकास : गांधी, अम्बेडकर एवं लोहिया

खण्ड - 1 – महिला एवं बाल विकास

- इकाई - 1 भारतीय परिदृश्य में स्त्रियां एवं उनकी समस्याएं
- इकाई - 2 स्त्री आंदोलन एवं सशक्तिकरण नीतियां
- इकाई - 3 भारतीय परिदृश्य में बाल विकास
- इकाई - 4 बाल विकास नीतियां – राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय

खण्ड - 2 – समुदाय विकास

- इकाई - 1 जनजातीय विकास
- इकाई - 2 ग्रामीण विकास
- इकाई - 3 शहरी विकास

खण्ड - 3 – वंचित वर्गों का विकास

- इकाई - 1 अनुसूचित जाति
- इकाई - 2 अन्य पिछड़ा वर्ग
- इकाई - 3 विशेष योग्यजन
- इकाई - 4 तृतीय पंथी जन

खण्ड - 4 – अन्य क्षेत्र

- इकाई - 1 अपराधशास्त्र एवं सुधारात्मक सेवाएं
- इकाई - 2 चिकित्सीय एवं मनोचिकित्सीय सेवाएं
- इकाई - 3 वृद्धावस्था सेवाएं
- इकाई - 4 पर्यावरण विकास एवं आपदा प्रबंधन
- इकाई - 5 युवा विकास

खण्ड - 1 – व्यक्तित्व : परिचय

इकाई - 1 व्यक्तित्व : अर्थ, परिभाषा एवं निर्धारक

इकाई - 2 व्यक्तित्व विकास की अवस्थाएं

इकाई - 3 जीवन अवधि

इकाई - 4 व्यक्तित्व और व्यवहार

खण्ड - 2 – मानव व्यवहार

इकाई - 1 मानव व्यवहार : अवधारणा और निर्धारक

इकाई - 2 समायोजन : अवधारणा, विशेषताएं और निर्धारक

इकाई - 3 असामान्य व्यवहार : लक्षण, कारक और प्रकार

इकाई - 4 नेतृत्व : आवश्यकता, प्रकार और प्रकार्य

खण्ड - 3 – मनोसामाजिक प्रक्रियाएं

इकाई - 1 अभिप्रेरणा

इकाई - 2 समाजीकरण

इकाई - 3 संवेदना –प्रत्यक्षीकरण

इकाई - 4 अभिवृत्ति

खण्ड - 4 – व्यक्तित्व के सिद्धांत

इकाई - 1 फ्रायड एवं जुंग

इकाई - 2 एडलर एवं एल्बर्ट बंडुरा

इकाई - 3 मार्सिया एवं पियाजे

इकाई - 4 एरिक एरिकसन

खण्ड - 1 – सामाजिक समस्या की अवधारणा

इकाई - 1 सामाजिक समस्या : परिचय

इकाई - 2 सामाजिक समस्या के कारण एवं प्रकार

इकाई - 3 सामाजिक समस्या के प्रभाव

खण्ड - 2 – सामाजिक परिदृश्य

इकाई - 1 निर्धनता और बेरोजगारी

इकाई - 2 भ्रष्टाचार

इकाई - 3 पितृसत्ता

इकाई - 4 साम्प्रदायिकता एवं अस्मिता विमर्श

खण्ड - 3 – राजनीतिक परिदृश्य

इकाई - 1 क्षेत्रीयता

इकाई - 2 आतंकवाद

इकाई - 3 नक्सलवाद

खण्ड - 4 – समाज सुधार आंदोलन

इकाई - 1 समाज सुधार आंदोलन (स्वतंत्रता पूर्व)

इकाई - 2 समाज सुधार आंदोलन (स्वतंत्रता पश्चात)

इकाई - 3 नव सामाजिक आंदोलन

इकाई - 4 समसामयिक परिप्रेक्ष्य

खण्ड - 1 – सामाजिक वैयक्तिक सेवाकार्य – I

इकाई - 1 सामाजिक वैयक्तिक सेवाकार्य : समाज कार्य प्रणाली के रूप में

इकाई - 2 सेवार्थी को समझने के लिए व्यवहारगत अवधारणाएं

इकाई - 3 सामाजिक वैयक्तिक सेवाकार्य का कार्यक्षेत्र

इकाई - 4 वैयक्तिक कार्य के घटक

खण्ड - 2 - सामाजिक वैयक्तिक सेवाकार्य – II

इकाई - 1 वैयक्तिक सेवाकार्य के सिद्धांत

इकाई - 2 सहायता करने की सहायक तकनीकें

इकाई - 3 सामाजिक वैयक्तिक सेवाकार्य प्रक्रिया

इकाई - 4 वैयक्तिक सेवाकार्य के उपकरण

इकाई - 5 वैयक्तिक सेवाकार्य में कुछ सैद्धांतिक विचार मार्ग

खण्ड - 3 - परामर्श के मूलतत्व

इकाई - 1 परामर्श की जानकारी

इकाई - 2 परामर्श प्रक्रिया

इकाई - 3 परामर्श में प्रयोग की जानेवाली सहायक और व्यावहारिक विधियाँ

इकाई - 4 परामर्श में प्रयोग की जानेवाली संज्ञानात्मक और मनोविश्लेषणात्मक विधियाँ

इकाई - 5 परामर्श में निहित व्यावहारिक मुद्दे

खण्ड - 4 - साक्षात्कार और अभिलेखन

इकाई - 1 सामाजिक वैयक्तिक कार्य में साक्षात्कार

इकाई - 2 साक्षात्कार तथा संप्रेषण

इकाई - 3 साक्षात्कार - कौशल तथा तकनीकें

इकाई - 4 सामाजिक वैयक्तिक कार्य में अभिलेखन और प्रलेखन/दस्तावेज

खण्ड - 1 - सामाजिक समूह कार्य का परिचय

इकाई - 1 सामाजिक समूह: विशेषताएँ और महत्व

इकाई - 2 समूह कार्य का ऐतिहासिक विकास

इकाई - 3 भारत में सामाजिक समूह कार्य का इतिहास

इकाई - 4 समाजकार्य की प्रणाली के रूप में सामाजिक समूह कार्य

खण्ड - 2 - समूह कार्य सक्रियता

इकाई - 1 सामाजिक समूह कार्य के सिद्धांत एवं प्रारूप

इकाई - 2 समूह विकास की अवस्थाएँ

इकाई - 3 समूह निर्माण की प्रक्रिया

इकाई - 4 सामाजिक समूह कार्य में मूल्य और सिद्धांत

खण्ड - 3 - सामाजिक कार्य में नेतृत्व और कौशल विकास

इकाई - 1 नेतृत्व और शक्ति/अधिकार

इकाई - 2 सामाजिक समूह कार्य के कौशल और तकनीकें

इकाई - 3 सामाजिक समूह कार्य में जीवन कौशल शिक्षा की प्रासंगिकता

इकाई - 4 सामाजिक समूह कार्य में कार्यक्रम नियोजन

खण्ड - 4 - विभिन्न स्थापनों में सामाजिक समूह कार्य

इकाई - 1 भारतीय संदर्भ में स्व सहायता समूहों की संकल्पना और सक्रियता

इकाई - 2 सामुदायिक स्थापनों में समूह कार्य

इकाई - 3 संस्थागत स्थापनों में समूह कार्य

इकाई - 4 शैक्षिक स्थापनों में समूह कार्य

इकाई - 5 समूह कार्य में सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका

खण्ड - 1 - समुदाय की अवधारणाएं और सामुदायिक विकास

इकाई - 1 समुदाय की अवधारणाएं और सामुदायिक कार्य

इकाई - 2 ग्रामीण एवं शहरी समुदाय

इकाई - 3 जनजातीय समुदाय

इकाई - 4 सामुदायिक विकास कार्यक्रम

खण्ड - 2 - सामुदायिक विकास के लिए सामुदायिक संगठन

इकाई - 1 सामुदायिक संगठन: संकल्पना

इकाई - 2 सामुदायिक संगठन का इतिहास

इकाई - 3 समाज कार्य प्रणाली के रूप में सामुदायिक संगठन

इकाई - 4 सामुदायिक संगठन के प्रारूप और दृष्टिकोण

इकाई - 5 सामुदायिक संगठन में वर्तमान मुद्दे तथा सामुदायिक संगठनकर्ता की भूमिका

खण्ड - 3 - सामाजिक क्रिया : अवधारणा

इकाई - 1 सामाजिक क्रिया: अवधारणा एवं अनुप्रयोग

इकाई - 2 सामाजिक क्रिया के मॉडल

इकाई - 3 सामाजिक क्रिया में रणनीतियां तथा कौशल

इकाई - 4 सामाजिक क्रिया: समाज कार्य का एक तरीका

खण्ड - 1 - सामाजिक गतिकी एवं परिवर्तन

इकाई - 1 प्रवासन

इकाई - 2 ग्रामीण - शहरी द्वंद्व

इकाई - 3 उद्योगीकरण एवं वैश्वीकरण

इकाई - 4 परिवर्तनशील व्यावसायिक संरचना एवं उदारीकरण का प्रभाव

खण्ड - 2 - विकास की अवधारणाएं

इकाई - 1 सामाजिक और मानव विकास

इकाई - 2 सतत विकास

इकाई - 3 विकास और प्रगति: आर्थिक और सामाजिक आयाम

इकाई - 4 विकास का जेंडर परिप्रेक्ष्य

इकाई - 5 जनसंख्या और विकास

खण्ड - 3 - विकास: मानव अधिकार परिप्रेक्ष्य

इकाई - 1 संविधान के सामाजिक आदर्श

इकाई - 2 सामाजिक कार्य और मानवाधिकार

इकाई - 3 हितकारी अर्थव्यवस्था और विकास

इकाई - 4 भारतीय न्यायिक प्रणाली

खण्ड - 4 - सामाजिक विधान

इकाई - 1 महिलाओं एवं बालकों/बालिकाओं के लिए कानूनी प्रावधान

इकाई - 2 बुर्जुओं एवं विशेष योग्यता वाले व्यक्तियों के लिए कानून

इकाई - 3 आदिवासियों के लिए कानून

इकाई - 4 सामाजिक विधान के समकालीन संदर्भ

खण्ड - 1 - समाज कल्याण प्रशासन

इकाई - 1 समाज कल्याण प्रशासन: अवधारणाएं, इतिहास एवं प्रकृति

इकाई - 2 समाज कल्याण प्रशासन के कार्य, सिद्धांत और कार्यक्षेत्र

इकाई - 3 समाज कल्याण संगठन

इकाई - 4 समाज कल्याण सेवाओं का प्रबंधन

इकाई - 5 सामाजिक नीति और समाज कल्याण प्रशासन

खण्ड - 2- सामाजिक नीति

इकाई - 1 सामाजिक नीति : परिचय

इकाई - 2 सामाजिक नीति: प्रारूप एवं सिद्धांत

इकाई - 3 सामाजिक नीति और भारतीय संविधान

इकाई - 4 भारत में सामाजिक नीति

इकाई - 5 सामाजिक नीति और पंचवर्षीय योजनाएं

इकाई -6 नीति आयोग

खण्ड - 3 - सामाजिक नियोजन

इकाई - 1 सामाजिक नियोजन : अवधारणा, अर्थ परिभाषा, उद्देश्य एवं प्रक्रिया

इकाई - 2 सामाजिक नियोजन : प्रकार्य, सिद्धांत एवं प्रकार

इकाई - 3 सामाजिक नियोजन एवं पंचवर्षीय योजनाएं

इकाई - 4 भारत में सामाजिक नियोजन

इकाई - 5 सामाजिक एवं टिकाऊ विकास

खंड – 1 . प्रबंधन : परिचय एवं भूमिका

इकाई 1. परिभाषा, प्रकृति एवं क्षेत्र

इकाई 2. प्रबंधन के सिद्धांत एवं स्तर

इकाई 3. प्रबंधन के प्रकार्य

इकाई 4. गैर-सरकारी संगठन प्रबंधन के मुद्दे

खंड-2 . गैर-सरकारी संगठनों की प्रस्तावना

इकाई 1. गैर-सरकारी संगठन – परिभाषा , अवधारणा, उद्देश्य एवं प्रकार

इकाई 2. गैर-सरकारी संगठनों की रणनीतियाँ

इकाई 3. गैर-सरकारी संगठन: भारत सरकार की विभिन्न योजनाएँ

इकाई 4. गैर-सरकारी संगठन: समस्याएँ एवं निराकरण

खंड- 3. संगठन संबंधी प्रक्रिया

इकाई 1. संगठन पंजीकरण, संविधान और नीतियाँ

इकाई 2. कार्यक्रम एवं परियोजना प्रबंधन

इकाई 3. गैर-सरकारी संगठन में खाते बनाना एवं वित्तीय विवरण

इकाई 4. गैर-सरकारी संगठन के लिए आयकर में छूट

खण्ड - 1 - समाज कार्य में अनुसंधान के मूल तत्व

इकाई - 1 सामाजिक अनुसंधान

इकाई - 2 सामाजिक अनुसंधान के प्रकार

इकाई - 3 शोध प्रारूप

खण्ड - 2 - समाज कार्य में अनुसंधान विधियाँ

इकाई - 1 शोध समस्या का निर्धारण

इकाई - 2 परिकल्पना

इकाई - 3 आंकड़ा स्रोत : प्राथमिक एवं द्वितीयक

इकाई - 4 अनुसंधान विधियाँ I : परीक्षणात्मक अनुसंधान

इकाई - 5 अनुसंधान विधियाँ II : गुणात्मक अनुसंधान

खण्ड - 3 - आँकड़ा संग्रहण की विधियाँ

इकाई - 1 प्रतिचयन

इकाई - 2 प्रश्नावली एवं अनुसूची

इकाई - 3 साक्षात्कार

इकाई - 4 अवलोकन

खण्ड - 4 - विश्लेषण प्रविधि

इकाई - 1 विश्लेषण प्रविधि

इकाई - 2 सांख्यिकी : परिचय एवं महत्व, सांख्यिकी माध्य

इकाई - 3 प्रस्तुतीकरण

इकाई - 4 संदर्भ लेखन

MSW 13	सामुदायिक स्वास्थ्य	4 क्रेडिट
--------	---------------------	-----------

खण्ड - 1 सामुदायिक स्वास्थ्य की संकल्पना

इकाई - 1 स्वास्थ्य एवं बीमारी की संकल्पनाएं

इकाई - 2 स्वास्थ्य का समाजशास्त्र

इकाई - 3 स्वास्थ्य के सामाजिक निर्धारक

इकाई - 4 समुदाय की स्वास्थ्य देखभाल

खण्ड - 2 भारत में स्वास्थ्य सेवा प्रदाय व्यवस्था

इकाई - 1 राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम

इकाई - 2 राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति

इकाई - 3 जनसंख्या नीति

इकाई - 4 सभी के लिए स्वास्थ्य

इकाई - 5 सहस्राब्दि विकास लक्ष्य

खण्ड - 3 स्वास्थ्य शोध, संचार एवं समाज कार्य

इकाई - 1 स्वास्थ्य सूचना एवं सांख्यिकी

इकाई - 2 स्वास्थ्य व्यवस्था एवं शोध

इकाई - 3 व्यवहार बदलाव संप्रेषण - सिद्धांत एवं रणनीति

इकाई - 4 स्वास्थ्य के लिए सामुदायिक भागीदारी (पंचायतों की भूमिका)

खण्ड - 4 सामुदायिक स्वास्थ्य की गांधीय संकल्पना

इकाई - 1 स्वास्थ्य एवं सामुदायिक स्वास्थ्य की गांधी संकल्पना

इकाई - 2 प्राकृतिक चिकित्सा

इकाई - 3 स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न प्रयोग

MSWFW01	क्षेत्र कार्य	8 क्रेडिट
---------	---------------	-----------

खण्ड - 1 – गांधी दर्शन के मूल आधार

इकाई - 1 सत्य की अवधारणा

इकाई - 2 अहिंसा

इकाई - 3 सत्याग्रह

इकाई - 4 हिंसा पर गांधी के विचार

खण्ड - 2 – गांधीय समाज कार्य - I

इकाई - 1 अहिंसात्मक संघर्ष की अवधारणा और उसका औचित्य

इकाई - 2 रचनात्मक कार्यक्रम

इकाई - 3 एकादश व्रत

इकाई - 4 सर्वोदय

खण्ड - 3 – गांधीय समाज कार्य - II

इकाई - 1 साम्प्रदायिक सद्भाव

इकाई - 2 ट्रस्टीशिप

इकाई - 3 स्वेदशी

इकाई - 4 बुनियादी शिक्षा

इकाई - 5 अस्पृश्यता उन्मूलन

खण्ड - 4 – अहिंसक आंदोलन: गांधी के बाद

इकाई - 1 भूदान एवं ग्रामदान

इकाई - 2 सम्पूर्ण क्रांति आंदोलन

इकाई - 3 सामाजिक आंदोलन की गांधीय प्रविधि

इकाई - 4 नव सामाजिक आंदोलन और गांधी

इकाई - 5 गांधी की प्रासंगिकता

खण्ड - 1 – परामर्श के मूल तत्व

इकाई - 1 परामर्श : अर्थ, अवधारणा और उद्देश्य

इकाई - 2 परामर्श की प्रक्रिया एवं अवस्थाएं

इकाई - 3 परामर्श तकनीक और उपकरण

इकाई - 4 समाज कार्य में परामर्श अभ्यास

खण्ड - 2 – परामर्श प्रक्रिया

इकाई - 1 व्यक्तिगत परामर्श

इकाई - 2 युगल और परिवार परामर्श

इकाई - 3 परामर्श एवं थेरेपी : अंतरसंबंध

इकाई - 4 सामाजिक कार्यकर्ता : एक परामर्शदाता के रूप में

खण्ड - 3 – संचार के मूल तत्व

इकाई - 1 संचार : अर्थ एवं अवधारणा

इकाई - 2 संचार के चरण एवं प्रारूप

इकाई - 3 संचार सैद्धांतिकी : संस्कृति उत्पाद, पब्लिक स्फेयर एवं सहमति निर्माण

इकाई - 4 भारत में संचार परिदृश्य

खण्ड - 4 – संचार एवं समाज कार्य

इकाई - 1 वैयक्तिक समाज कार्य अभ्यास में संचार

इकाई - 2 समूह समाज कार्य अभ्यास में संचार

इकाई - 3 सामुदायिक संगठन अभ्यास में संचार

इकाई - 4 सामाजिक क्रिया अभ्यास में संचार

खण्ड - 1 – भारतीय संविधान

इकाई - 1 भारतीय संविधान का इतिहास

इकाई - 2 भारतीय संविधान का परिचय

इकाई - 3 भारतीय संविधान की विशेषताएं

खण्ड - 2 – भारतीय संविधान की अन्तर्वस्तु

इकाई - 1 मूल अधिकार एवं कर्तव्य

इकाई - 2 राज्य के नीति निर्देशक तत्व

इकाई - 3 संविधान संशोधन की प्रक्रिया

इकाई - 4 संविधान संबंधी समसामयिक विमर्श

खण्ड - 3 – मानवाधिकार : दार्शनिक परिप्रेक्ष्य

इकाई - 1 मानवाधिकार : परिचय

इकाई - 2 मानवाधिकार का दर्शन

इकाई - 3 मानवाधिकार विकास के चरण

इकाई - 4 मानवाधिकार के सिद्धांत

खण्ड - 4 – अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय परिदृश्य

इकाई - 1 मानवाधिकार का सार्वभौमिक घोषणा पत्र

इकाई - 2 विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संविदाएं

इकाई - 3 मानवाधिकार संबंधी अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं

इकाई - 4 मानवाधिकार संबंधी राष्ट्रीय संस्थाएं

कक्षा अध्यापन

विद्यार्थी जिस अध्ययन केंद्र में नामांकित हैं उन सभी अध्ययन केंद्रों पर परामर्श/अभ्यास कक्षाओं का संचालन किया जाता है। विद्यार्थी संबंधित अध्ययन केंद्रों पर जाकर इन परामर्श/कक्षाओं में नियमित रूप से उपस्थित होकर अध्ययन कर सकते हैं। दू शिक्षा निदेशालय में एमएसडब्ल्यू पाठ्यक्रम संबंधी समयसारणी निम्नानुसार है-

एमएसडब्ल्यू (सत्र 2018-19 एवं पूरक सत्रों के लिए)

दिन	समय	१०.००-११.००	११.००-१२.००	१२.००-०१.००	०२.००-०३.००	०३.००-०४.००	०४.००-०५.००
सोमवार		MSW 01	MSW 06	MSW 11	MSW 14	पाठ्यक्रम संबंधी परामर्श	ट्यूटोरियल एवं रिमेडियल कक्षाएं
मंगलवार		MSW 02	MSW 07	MSW 12	MSW 15		
बुधवार		MSW 03	MSW 08	MSW 13	MSW 16		
गुरुवार		MSW 04	MSW 09	MSWFW01	MSWP01		
शुक्रवार		MSW 05	MSW 10				

अध्यापक : डॉ.शंभू जोशी, संयोजक : एमएसडब्ल्यू

स्थान : कक्ष क्रमांक 16 एवं 22 , दू शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

सम्पर्क कक्षाएं

दू शिक्षा निदेशालय मे सम्पन्न होने वाली सम्पर्क कक्षाओं के लिए अलग से सूचना निकाली जाएगी।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें –

पाठ्यक्रम संयोजक – एमएसडब्ल्यू
दूर शिक्षा निदेशालय
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
पोस्ट- हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स
वर्धा - 442001 (महाराष्ट्र)
संपर्क – (07152) – 247146 Ext. 188
टोलफ्री नं. -1800-233-1575

www.hindivishwa.org/distance

studentservicecentredde@gmail.com